विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 22 से 28 फरवरी 2024 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 35 ❖ पृष्ठ 9 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

बाबूजी के आदर्श विचार

पूज्य बाबूजी का ज़ीवन सिद्धांत

पूज्य बाबूजी कहते थे कि परिवार में भी पिता की भूमिका कोर्ट, मां की भूमिका पुलिस और बच्चों की भूमिका जब जनता के जैसी होती है तो उस परिवार में संस्कार की दिक्कत कभी नहीं आती है. इस परिवार का हर सदस्य सदैव अनुशासन में रहता है. लेकिन जहां पिता कठोर, मां उसके खिलाफ रहने वाली होती है, वहां के बच्चों पर कभी भी आदर्श संस्कार नहीं हो पाते हैं.पिता का त्याग, मां का प्रेम और संस्कार बच्चों का जीवन संवारता है.

महान संत श्री विद्यासागरजी ध्रुवतारा

समूचे जैन समाज में शोक की लहर, सदैव याद रहेगा उनका महानतम परमार्थ का काम

भारत देश को संत-महात्माओं और देवताओं का देश कहा जाता है. यहां की धरा इतनी पावन है कि यहां पर समय-समय पर स्वयं प्रभु ने भी जन्म लेकर स्थितियों को संभालने के साथ ही धर्म तथा सत्य की स्थापना करते हुए आदर्श स्थापित किया है. सुविख्यात दिगंबर जैन संत आचार्यश्री विद्यासागरजी महाराज भी इसी उच्चतम श्रेणी के संतों में आते हैं, जिन्होंने पूरा जीवन परमार्थ और सेवा कार्यों, धर्म को बढ़ावा देने में लगा दिया. उनकी लोकप्रियता और सर्वसमावेशक महानतम व्यक्तित्व का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि उनकी अंतिम यात्रा में जैन समाज के अलावा सभी समाज के लाखों की संख्या में अनुयायी उमड़े

थे.अमरावती से भारतीय जैन संगठन के प्रमुख शांतिलाल मुथा के प्रतिनिधि के रूप में सुदर्शन गांग के साथ ही अन्य सहभागी हुए थे. वे बताते हैं कि उनका पूरा जीवन ही किसी देवदूत की तरह था. पूरा परिवार संत की तरह जीवन जीता है. परमार्थ में पूरा जीवन उन्होंने जहां समर्पित किया था, वहीं सामाजिक कामों का सागर उन्होंने तैयार किया था. उन्होंने स्वयं अपने अंतिम प्रवचन में कहा था कि उन्होंने जो भी पुण्य अर्जित किया है, वह प्रभु चरणों में समर्पित हो. आचार्य विद्यासागर का अंतिम प्रवचन क़ाफी कुछ कहने के लिए महत्वपूर्ण साबित हुआ है. उन्होंने पूरा जीवन ही परमार्थ को समर्पित किया था. उनके अंतिम प्रवचन में उन्हों ने कहा-जो पुण्य अर्जित किए प्रभु चरणों में विसर्जित करने की इच्छा जताई थी. इतना ही नहीं तो जीवन में कोई इच्छा नहीं करने की बात कही थी. भारत ही नहीं तो समूचे विश्व में उन्होंने अपना अमिट स्थान बनाया था. वे जहां ज्ञान, योग, परमार्थ, राष्ट्रधर्म के भंडार थे, वहीं आदर्शवादी संत थे.

पर्यावरण संतुलन के साथ ही जल

भारतीय नौसेना को ताकतवर बनाने 19 हजार करोड़ रूपये खर्च करेंगे

नई दिल्ली-सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने भारतीय नौसेना के लिए 200 से अधिक ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और संबंधित उपकरणों की खरीद को मंजूरी दे दी है, जिस पर लगभग 19,000 करोड़ रुपए खर्च होंगे. अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि नौसेना की समग्र युद्ध क्षमताओं को बढ़ाने के लिए मिसाइलों को विभिन्न युद्धपोतों पर तैनात किया जाएगा. समझा जाता है कि सीसीएस द्वारा अनुमोदित प्रस्ताव के तहत लगभग 290 किलोमीटर की दूरी तक मार करने में सक्षम ब्रह्मोस मिसाइल और लगभग 450 किलोमीटर दूर तक निशाना लगाने वाले हथियार की खरीद की जाएगी.

भारत-रूस संयुक्त उद्यम ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड' सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों का उत्पादन करती है जिन्हें पनडुब्बियों, जहाजों, विमानों या जमीन से लक्ष्य की ओर दागा जा सकता है. यह ताकत मिलने के बाद भारतीय नौसेना की ताकत दुगुनी से भी अधिक हो जाएगी और समुद्री सीमाओं की सुरक्षा में यह मजबूत भूमिका निभाएगी.

संपादकीय

लाखों लोगों के चहेते अमीन सयानी

कहते हैं कि जीवन में कई ऐसे लोग होते हैं, जिनका कार्य सदैव याद किया जाता है. ऐसे ही लोगों में रहे हैं गुज़रे ज़माने की मशहूर रेडियो हस्ती, बिनाका गीतमाला और बोर्नविटा क्विज कांटेस्ट के होस्ट अमीन सयानी. उन्होंने स्वयं के बलबूते अपना महत्वपूर्ण मुकाम बनाया था. उनके नहीं रहने की बात पर कोई यकीन नहीं कर पा रहा है. लेकिन इसके साथ ही अमरावती के सुख्यात गजल गायक सुरेश दंडे के साथ उनके करीबी संबंधों की चर्चा जरूर होती है. एक पूरा जमाना गुज़र गया, दूसरा अमीन सयानी देश को नहीं मिला. करीब 50 हजार रेडियो शो करने वाली इस हस्ती को लोग भूल चुके, लेकिन जो शून्य उन्होंने छोड़ा, उसे कोई भर नहीं सका.आवाज की दुनिया में उनके जान से जो अपूरणीय क्षति हुई है, उसकी पूर्ति कर पाना शायद ही संभव नहीं है. लेकिन इसके साथ ही लाखों लोगों के लिए वे सदैव यादगार हस्ती रहेंगे.

आवाज की दुनिया में उनके जाने से जो सन्नाटा छाया है, उसकी कमी हर संगीत प्रेमी के दिल में महसूस की जा सकती है. रेडियो की दुनिया में आवाज के जादूगर कहे जाने वाले दिग्गज रेडियो प्रेजेंटर अमीन सयानी 91 साल की उम्र में फानी दुनिया से रुखसत हुए.उनके निधन की खबर को उनके बेटे रजिल सयानी ने कंफर्म किया है. इसके बाद उनके चाहने वालों में जबर्दस्त गम वाली स्थिति देखी गई. अमीन सयानी की मौत से उनके बेटे रजिल सायानी गहरे सदमे में हैं. उन्होंने पिता की मौत के बारे में जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि अमीन सयानी को बीते दिन हार्ट अटैक हुआ था, जिसके बाद उन्हें तुरंत ही एचएन रिलायंस हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही अमीन सयानी ने दम तोड़ दिया.अमीन सयानी का अंतिम संस्कार 22 फरवरी को होगा, क्योंकि आज उनके कुछ रिश्तेदार उनके अंतिम दर्शन के लिए मुंबई आने वाले हैं. अमीन सयानी के अंतिम दर्शन को लेकर जल्द ही ऑफिशियल स्टेटमेंट भी जारी की जाएगी.रेडियो की दुनिया के बादशाह थे अमीन सयानी अमीन सयानी का जन्म 21 दिसंबर 1932 में मुंबई में हुआ था. अमीन सयानी ने रेडियो की दुनिया में बड़ा नाम कमाया. उनकी आवाज का जादू लोगों के दिल में घर कर लेता था. अमीन सयानी रेडियो प्रेजेंटर के तौर पर अपने करियर की शुरूआत ऑल इंडिया रेडियो, मुंबई से की थी. उनके भाई हामिद सयानी ने उन्हें यहां इंट्रोड्यूस कराया था. उन्होंने यहां 10 सालों तक इंग्लिश प्रोग्राम्स में पार्टिसिपेट किया. इसके बाद उन्होंने भारत में ऑल इंडिया रेडियो को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई.चोटी के आवाज के जादूगर और बेहतरीन इन्सान सयानी कई फिल्मों में रेडियो अनाउंसर के तौर पर भी दिखे, जिनमें भूत बंगला, तीन देवियां, बॉक्सर और क़त्ल जैसी मूवीज शामिल हैं. उनके कला के जहां लाखों मुरीद हैं, वहीं उनके आवाज का जादू लोग कभी भूल नहीं सकते हैं. वे सदैव लोगों के दिलों में छाए रहेंगे. विदर्भ स्वाभिमान परिवार की ओर से चोटी के कलाकार को विनम्र आदरांजलि.

यह सामाजिक दरार अनुचित है

विदर्भ स्वाभिमान

राय बताएं-9423426199

बचपन के संस्कार जीवन को दिशा देने के साथ ही संवारने का काम करते हैं. इसे ही जीवन में बेस कहा जाता है. इसलिए बचपन से ही बच्चों को यही सीख मिलनी चाहिए. लेकिन जब बच्चों की समझदारी और बड़ों में दिक्कत वाली स्थिति दिखाई देती है तो हैरत होती है. अमरावती जिले की अंजनगांव सुर्जी तहसील के पांढरी खानमपुर नामक गांव में पिछले कुछ दिनों से मुख्य प्रवेश द्वारा दरार का कारण बन गया है. गांव के कुछ लोगों के कारण पूरे गांव का माहौल बिगड़ रहा है. इस मामले में जिलाधिकारी सौरभ कटियार के साथ ही जिला परिषद की सीईओ संजीता महापात्रा सहित पूरा प्रशासन गांव में शांति के लिए प्रयासरत है. लेकिन गांववासियों में समझदारी का अभाव दिखाई दे रहा है. दोनों ही गुटों द्वारा इसे अपने ईगो से जोड़ने के कारण गांव में तनाव की स्थिति है. एक पक्ष डॉ. बाबासाहब आंबेडकर मुख्य प्रवेश द्वार की पाटी लगाने पर अड़ा है, वहीं दूसरी ओर दूसरा पक्ष इसे किसी भी सूरत में लगाने के लिए तैयार नहीं है. इस स्थिति में गांव के उनके छात्रों की फजीहत हो रही है, जो लाइब्रेरी में साथ में पढ़ाई करने के लिए जाते थे और यहां से स्पर्धा परीक्षा की तैयारी करते थे. उनके मन में यह जहर अभी से क्यों बोया जा रहा है कि आज दोस्त ही दोस्त नहीं नजर आ रहा है. आग कीलपटें जिस तरह से सब कुछ अपने घेरे में ले लेती हैं, उसी तरह गांव में पैदा हुई यह दरार आगामी पीढ़ी के लिए कितनी खतरनाक हो सकती है, इसका अंदाजा गांव के पढ़े-लिखे और प्रबुद्धों में क्या नहीं आ रहा है, यह सबसे बड़े हैरत की बात है. गांव में इस तरह की स्थिति पैदा किसने की और यह भड़काने का काम जिसने भी किया है, प्रशासन को चाहिए कि वह उसका पतालगाते हुए कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे. यह स्थिति न तो गांव के विकास के हित में है और न ही इस तरह की स्थितियों से किसी का भला होता है. वह तो शुक्र है कि गांव में अभी तनाव वाली स्थिति है. आगामी दिनों में इस समस्या का राजनीतिकरण होकर पूरे गांव में यहआग लगे, इससे पहले गांव के ही समझदार लोगों को आगे आना चाहिए. यह सोचने वाली बात है कि इस तरह की स्थिति क्यों पैदा की जाती है. ग्राम पंचायत का स्वागत फलक लगाने की बात होनी चाहिए. डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की महानता विश्वव्यापी थी, वे इतने महान थे कि उनका मूल्यांकन किसी मुख्य द्वार से करने से बड़ा आश्चर्य से कम नहीं है. गांव में शांति, सद्भावना का संदेश उनके द्वारा बनाए गए संविधान के माध्यम से दिया गया है. लेकिन अगर गांव में इस तरह की स्थिति पैदा होती है तो इससे बड़ा आश्चर्य और क्या होगा. इस पर जिला प्रशासन को आग बढ़ने के पहले ही ऐसे भड़काने वाले तत्वों पर कठोर कार्रवाई करते हुए बुझाने का प्रयास करना चाहिए. वर्ना युवा पीढ़ी माफ नहीं करेगी.

महान परमार्थी संत आचार्य विद्यासागरजी महाराज

आचार्यश्री के चरणों में विनम्र विनयांजलि

भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है. संतों और समाज सुधार की इस महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है. उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है. उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा. उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है.

के महत्व को लेकर अत्याधिक सजग रहने वाले पूज्य आचार्य विद्यासागरजी महाराज का जीवन सभी जैन समाज के लिए गर्व के साथ ही इस बात का द्योतक है कि अगर आपमें भक्तिभाव है तो आप करोड़ों लोगों को आपके विचारों पर चलने के लिए प्रेरित कर सकते हैं. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित मुख्यमंत्री, राज्यपाल और बड़े-बड़े पदों पर रहने वाले उनके भक्त थे. उन्हें न केवल भारत बल्कि समूचे विश्व में उन्हें मानने वाले हैं. उनका जीवन आदर्श निश्चित ही जैन समाज को ही नहीं बल्कि समूची मानवता को दिशा देने का काम करेगा. महानतम कार्य समूची मानव जाति को दिशा देता रहेगा.उनकी अंतिम यात्रा में उमड़ा विशाल जनसमुदाय इसका प्रत्यक्ष प्रमाण है.युग दृष्टा ब्रह्मांड के देवता संत शिरोमणि आचार्य प्रवर श्री विद्यासागरजी महामुनिराज 17 फरवरी शनिवार माघ शुक्ल अष्टमी पर्वराज के अंतर्गत उत्तम सत्य धर्म के दिन रात्रि में 2:35 बजे हुए ब्रह्म में लीन हुए.लाखों के जनसैलाब ने उन्हें अंतिम विदाई दी. पिछले कुछ दिनों से उनका स्वास्थ्य ठीक नहीं था. समस्त जैन समाज के प्राणदाता राष्ट्रहित चिंतक परम पूज्य गुरुदेव ने विधिवत सल्लेखना बुद्धिपूर्वक धारण कर ली थी. पूर्ण जागृतावस्था में उन्होंने आचार्य पद का त्याग करते हुए 3 दिन के उपवास गृहण करते हुए आहार एवं संघ का प्रत्याख्यान कर दिया था एवं प्रत्याख्यान व प्रायश्चित देना बंद कर दिया था और अखंड मौन धारण कर लिया था.6

विदर्भ स्वाभिमान

फरवरी मंगलवार को दोपहर शौच से लौटने के उपरांत साथ के मुनिराजों को अलग भेजकर निर्यापक श्रमण मुनिश्री योग सागरजी से चर्चा करते हुए संघ संबंधी कार्यों से निवृत्ति ले ली और उसी दिन आचार्य पद का त्याग कर दिया था. उन्होंने आचार्य पद के योग्य प्रथम मुनि शिष्य निर्यापक श्रमण मुनि श्री समयसागर जी महाराज को योग्य समझा और तभी उन्हें आचार्य पद दिया जावे ऐसी घोषणा कर दी थी. वे न केवल समस्त जैन समाज के लिए प्रेरणादायी व्यक्तित्व थे, बल्कि समूची मानवता, जीवदया और पर्यावरण संतुलन, सभी को शिक्षा के पक्षधर थे. उनके आदर्श विचार और सामाजिक काम सदैव जैन समाज के साथ ही सेवाभाव रखने वालों को प्रेरणा देते रहेंगी. आनंद परिवार की गुरूदेव के चरणों में विनम्र विनयांजलि.प्रभु उनकी दिव्य आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें, यही कामना.

सुदर्शन गांग, बडनेरा.

विदर्भ स्वाभिमान

यह समाचार पत्र मालिक, प्रकाशक,संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे द्वारा एस.बी.प्रिंटर्स द्वारा दत्त पैलेस गांधी चौक अमरावती में मुद्रित कर विदर्भ स्वाभिमान कार्यालय,छाया कॉलोनी,अकोली रोड,अमरावती में प्रकाशित किया गया है.मोबाइल नंबर 9423426199/8855019189.अखबार में प्रकाशित होने वाले विभिन्न पत्र,साहित्य,लेखकों,कवियों के विचारों व तथ्यों पर आधारित होते हैं. इनसे संपादक की सहमति अनिवार्य नहीं है.संपादक सुभाषचंद्र जमुनाप्रसाद दुबे (संपादकीय दायित्व हेतु जिम्मेदार), मुख्य प्रबंधक- सौ.वीणा सुभाषचंद्र दुबे.Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com,www.vidarbhswabhiman.com

ग्राहकों के दिलों में राज करती है बैंक ऑफ इंडिया

देवरणकर नगर शाखा प्रबंधक विनिता राऊत के साथ सभी अधिकारी करते हैं मदद, बढ़ रही ग्राहकों में लोकप्रियता

अमरावती- आज हर क्षेत्र में स्पर्धा है. इसमें आगे निकलने वाला ही सफलता प्राप्त करता है. लेकिन स्पर्धा के इस दौर में किसी बैंक के प्रति ग्राहकों के मन में अपनेपन का भाव हो, यह बहुत कम होता है. लेकिन बैंक ऑफ इंडिया की देवरणनगर शाखा ने इस बात को साबित किया है. बैंक की वरिष्ठ प्रबंधक विनिता राऊत के मार्गदर्शन में बैंक का हर अधिकारी और कर्मचारी जब ग्राहकों की मदद और उनके विश्वास को जीतने की कोशिश में दिखाई देता है तो निश्चित ही अलग सुकून होता है.बैंक के सुरक्षा रक्षक दीपक आगरकर से लेकर हर अधिकारी की ग्राहकों की सेवा की तल्लीनता देखने लायक है. यही कारण है कि इस शाखा की लोकप्रियता न केवल बढ़ी है, बल्कि ग्राहकों की संख्या में भी तेजी से इजाफा हुआ है. आमतौर पर बैंक को लेकर भी लोगों में अक्सर नाराजी रहती है. लेकिन यहां सभी के सहयोग के कारण ग्राहकों को अपार समाधान होता है. कई ग्राहक ऐसे भी हैं, जिनका तीन पीढ़ियों से इसी बैंक में खाता है और वे सदैव बेहतरीन सेवा का उदाहरण अन्यों को देते हैं. विदर्भ स्वाभिमान परिवार का तीन पीढ़ियों से इसमें संबंध हैं.

क्या गरीब, क्या अमीर, सभी को संतुष्ट करने का जहां प्रयास होता है, वहीं प्रबंधक विनीता राऊत अनुशासन को अत्याधिक महत्व देती हैं. समय पर बैंक खुलने से लेकर बंद होने तक ग्राहकों के संतोष का हर हाल में प्रयास किया जाता है. यही कारण है कि बैंक ने न केवल क्षेत्र बल्कि अमरावती में अपार सफलता प्राप्त की है.बैंक की उत्तरोत्तर प्रगति की शुभकामनाएं.

समाजसेवी चंद्रकुमार जाजोदिया के यहां ब्रह्माकुमारी के संतों ने दी भेंट

अमरावती- शहर के ही नहीं तो राष्ट्रीय स्तर के समाजसेवी चंद्रकुमार उर्फ लप्पीभैया जाजोदिया के निवास पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विद्यालय के संतों ने आशिर्वाद भेंट दी. इस दौरान विभिन्न अध्यात्मिक मुद्दों पर चर्चा की गई. उन सभी का 2 नए भवन का उध्दाटन के लिए आगमन हुआ था.

रहाटगांव व वरूड में बने भवन के उध्दाटन कार्यक्रम में माउंट आबू से शामिल होने आए अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त वरिष्ठ राजयोग शिक्षक सूरज भाई एवं रूपेश भाई राजयोगिनी गीता दीदी ने समाजसेवी चंद्रकुमार जाजोदिया के शारदा नगर निवास को भेंट दी. इस मौके पर जाजोदिया और उनके दामाद ने सहपरिवार संतों का आशीर्वाद लिया. इस दौरान विभिन्न धार्मिक मुद्दों पर चर्चा की . सूरज भाई ने अपने हाथों सभी को प्रयाद देकर अपना आशीर्वाद प्रदान किया . चंद्रकुमार जाजोदिया ने नए भवन के लिए हनुमान गढ्ढी में 2 एकड़ जगह देने का भरोसा दिलाया. इस समय अर्चित जाजोदिया अंकुश भरतिया आंचल भरतिया सीता दीदी राजेश भाई प्रमोद भाई अभिजीत भाई के अलावा प्रजापिता परिवार के सदस्य तथा नागरिक उपस्थित थे. संतों का आशिर्वाद मिलने पर पूरा जाजोदिया परिवार अभिभूत दिखाई दे रहा था.

गौमाता की सुरक्षा है सभी हिन्दु बंधुओं की जिम्मेदारी, निभानी चाहिए

कथा में रामप्रियाश्रीजी का मार्मिक उपदेश

अमरावती- गौ को माता का दर्जा दिया गया. हमारे शास्त्र उनकी महत्ता और उनके महत्व से भरे पड़े हैं. ऐसे में गौमाता की सेवा और उनकी सुरक्षा का दायित्व सभी को निभाना चाहिए. इतना ही नहीं तो गौमाता के लिए जितना संभव हो सके, हमें योगदान देने से भी पीछे नहीं हटना चाहिए. इस आशय का मत सुख्यात कथाकार पूज्य रामप्रियाश्रीजी ने किया. सनातन धर्म में गौमाता की महत्ता सर्वाधिक महत्वपूर्ण होती है. इन्हें ही माता का दर्जा दिया गया है. ऐसे में गौमाता की सुरक्षा की जिम्मेदारी हर हिंदू को निभानी चाहिए. घर को जब हम मंदिर समझकर व्यवहार करते हैं तो घर स्वर्ग बन जाता है प्रेम और अपनापन ही जीवन का उद्देश्य होना चाहिए . इस आशय का उपदेश प्रतिपादन कथा प्रवक्ता रामप्रियाश्री ने किया वे श्रीसंत इंद्रशेष बाबा संस्थान वडाली में रथ सप्तमी महोत्सव के तहत आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ हरिनाम सप्ताह में भक्तों का मार्गदर्शन कर रहीं थीं .9 फरवरी से जारी श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह में क्षेत्र ही नहीं बल्कि आसपास के भक्त बडी संख्या में कथा का रसपान कर रहे हैं. गौमाता की धर्म में महता पर प्रकाश डालते हुए रामप्रियाश्री ने कहा कि 80 करोड़ देवताओं का वास गौमाता में होता है . इनका दूध माता के दूध से भी बच्चे के लिए अधिक लाभकारी होता है . इस दौरान कथा के साथ विभिन्न सामाजिक उपक्रम भी चलाए जा रहे हैं .इस कड़ी में 13 फरवरी को रक्तदान शिविर लिया गया.

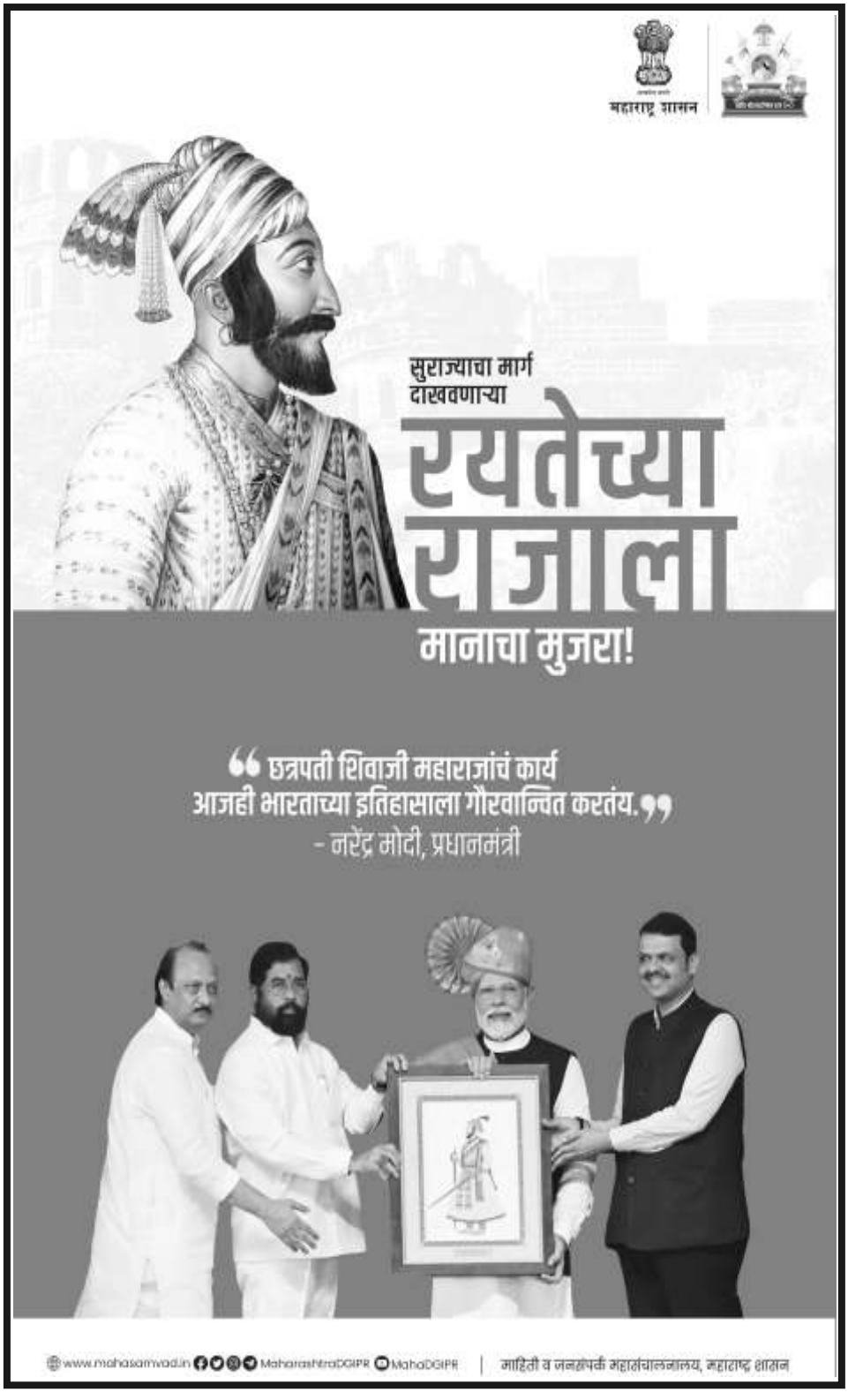

परमार्थी, राष्ट्रधर्म को समर्पित पृथ्वी के वर्धमान पूज्य विद्यासागरजी महाराज

प्रधानमंत्री मोदीजी ने लिखा अपने आध्यात्मिक गुरू के नाम का लेख

करूणा, सेवा और तपस्या से परिपूर्ण आचार्यजी का जीवन भगवान महावीर के आदर्शों का प्रतीक रहा. उनका जीवन,जैन धर्म की मूल भावना का सबसे बड़ा उदाहरण रहा. उन्होंने जीवन भर अपने काम और अपनी दीक्षा से इन सिद्धांतों का संरक्षण किया.हर व्यक्ति के लिए उनका प्रेम बताता है कि जैन धर्म में जीवन का महत्व क्या है.

देश को विश्व महागुरू बनाने के संकल्प के साथ ही सब कुछ राष्ट्र के लिए की भावना से सेवारत रहने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिगंबर जैन समाज के महान संत, परमार्थी , राष्ट्रधर्म को सर्वोच्च स्थान देने के साथ ही जीवदया, पर्यावरण संतुलन से लेकर मानवता की सेवा पर पूरा जीवन समर्पित करने वाले आचार्य विद्यासागरजी महाराज को अपना गुरू मानते थे. उन्होंने स्वयं यह स्वीकार किया कि उनके सामने बैठने के बाद अपार सकारात्मक उर्जा का आभास उन्हें होता था.

अपने लेख में स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि जीवन में हम बहुत कम ऐसे लोगों से मिलते हैं, जिनके निकट जाते ही मन-मस्तिष्क एक सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है. ऐसे व्यक्तियों का स्नेह, उनका आशीर्वाद, हमारी बहुत बड़ी पूंजी होता है. संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज मेरे लिए ऐसे ही थे. उनके समीप अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होता था. आचार्य विद्यासागर जी जैसे संतों को देखकर अनुभव होता था कि कैसे भारत में अध्यात्म किसी अमर और अजस्र जलधारा के समान अविरल प्रवाहित होकर समाज का मंगल करता रहता है.

आचार्य जी से मिली प्रेरणा

आज मुझे, उनसे हुई मुलाकातें, उनसे हुआ संवाद, बार-बार याद आ रहा है. पिछले साल नवंबर में छत्तीसगढ़ में डोंगरगढ़ के चंद्रगिरी जैन मंदिर में उनके दर्शन करने जाना मेरे लिए परम सौभाग्य की बात थी. तब मुझे जरा भी अंदाजा नहीं था कि आचार्य जी से मेरी यह आखिरी मुलाकात होगी. वह पल मेरे लिए अविस्मरणीय बन गया है. इस दौरान उन्होंने काफी देर तक मुझसे बातें कीं. उन्होंने पितातुल्य भाव से मेरा ख्याल रखा और देशसेवा में किए जा रहे प्रयासों के लिए मुझे आशीर्वाद भी दिया. देश के विकास और विश्व मंच पर भारत को मिल रहे सम्मान पर उन्होंने प्रसन्नता भी व्यक्त की थी. अपने कार्यों की चर्चा करते हुए वह काफी उत्साहित थे. इस दौरान उनकी सौम्य दृष्टि और दिव्य मुस्कान प्रेरित करने वाली थी. उनका आशीर्वाद आनंद से भर देने वाला था, जो हमारे अंतर्मन के साथ-साथ पूरे वातावरण में उनकी दिव्य उपस्थिति का अहसास करा रहा था. उनका जाना उस अद्भुत मार्गदर्शक को खोने के समान है, जिन्होंने मेरा और अनगिनत लोगों का मार्ग निरंतर प्रशस्त किया है.

भारतवर्ष की ये विशेषता रही है कि यहां की पावन धरती ने निरंतर ऐसी महान विभूतियों को जन्म दिया है, जिन्होंने लोगों को दिशा दिखाने के साथ-साथ समाज को भी बेहतर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है. संतों और समाज सुधार की इस महान परंपरा में संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज जी का प्रमुख स्थान है. उन्होंने वर्तमान के साथ ही भविष्य के लिए भी एक नई राह दिखाई है. उनका संपूर्ण जीवन आध्यात्मिक प्रेरणा से भरा रहा. उनके जीवन का हर अध्याय, अद्भुत ज्ञान, असीम करुणा और मानवता के उत्थान के लिए अटूट प्रतिबद्धता से सुशोभित है.

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी सम्यक ज्ञान, सम्यक दर्शन और सम्यक चरित्र की त्रिवेणी थे. उनके व्यक्तित्व की सबसे विशेष बात ये थी कि उनका सम्यक दर्शन जितना आत्मबोध के लिए था, उतना ही सशक्त उनका लोक बोध भी था. उनका सम्यक ज्ञान जितना धर्म को लेकर था, उतना ही उनका चिंतन लोक विज्ञान के लिए भी रहता था.

उन्होंने सत्यनिष्ठा के साथ अपनी पूरी आयु तक ये सीख दी कि विचारों, शब्दों और कर्मों की पवित्रता कितनी बड़ी होती है. उन्होंने हमेशा जीवन के सरल होने पर जोर दिया. आचार्य जी जैसे व्यक्तित्वों के कारण ही, आज पूरी दुनिया को जैन धर्म और भगवान महावीर के जीवन से जुड़ने की प्रेरणा मिलती है.

शिक्षा न्यायपूर्ण समाज का आधार

वो जैन समुदाय के साथ ही अन्य विभिन्न समुदायों के भी बड़े प्रेरणास्रोत रहे. विभिन्न पंथों, परंपराओं और क्षेत्रों के लोगों को उनका सानिध्य मिला, विशेष रूप से युवाओं में आध्यात्मिक जागृति के लिए उन्होंने अथक प्रयास किया. शिक्षा का क्षेत्र उनके ह्मदय के बहुत करीब रहा है. बचपन में सामान्य विद्याधर से लेकर आचार्य विद्यासागर जी बनने तक की उनकी यात्रा ज्ञान प्राप्ति और उस ज्ञान से पूरे समाज को प्रकाशित करने की उनकी गहरी प्रतिबद्धता को दिखाती है. उनका दृढ़ विश्वास था कि शिक्षा ही एक न्यायपूर्ण और प्रबुद्ध समाज का आधार है. उन्होंने लोगों को सशक्त बनाने और जीवन के लक्ष्यों को पाने के लिए ज्ञान को सर्वोपरि बताया. सच्चे ज्ञान के मार्ग के रूप में स्वाध्याय और आत्म-जागरूकता के महत्त्व पर उनका विशेष जोर था. इसके साथ ही उन्होंने अपने अनुयायियों से निरंतर सीखने और आध्यात्मिक विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का भी आग्रह किया था.

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज की इच्छा थी कि हमारे युवाओं को ऐसी शिक्षा मिले, जो हमारे सांस्कृतिक मूल्यों पर आधारित हो. वह अक्सर कहा करते थे कि चूंकि हम अपने अतीत के ज्ञान से दूर हो गए हैं, इसलिए वर्तमान में हम अनेक बड़ी चुनौतियों से जूझ रहे हैं. अतीत के ज्ञान में वे आज की अनेक चुनौतियों का समाधान देखते थे. जैसे जल संकट **शेष पेज 5 पर**

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN/2010/43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे　　प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

जाहीर सुचना	10x2	500
जाहीर सुचना	15x2	1000
बच्चों का जन्मदिन	10x2	500
शादी की वर्षगांठ	10x2	500
नाम में बदल	10x2	500
गुमशुदा	10x2	400
श्रध्दांजलि	10x2	500
पुण्यस्मरण	15x2	1000

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें

विदर्भ स्वाभिमान, छाया कॉलोनी, अमरावती

मो. 9423426199/ 8855019189

मानव धर्म निभाते रहें

ज़ीवन में राष्ट्रधर्म और मानवता से बड़ा कोई धर्म नहीं हो सकता है. यह दोनों अगर हम निभाने में सफल हो जाएं तो निश्चित तौर पर जीवन में कभी भी पीछे मुड़कर देखने का काम नहीं पड़ेगा. प्रेम और अपना सदैव बढ़कर मिलते हैं. किसी को भी अपने से कम नहीं समझते हुए जब हम सभी को सम्मान देते हैं तो हमारा जीवन में कभी भी कोई अपमान नहीं कर सकता है. विनम्रता ऐसा गुण है जो पराये को भी अपना बना देता है. लेकिन इसके साथ ही विश्वासघात ऐसा दुर्गुण है, जो करीबी को भी बहुत दूर कर देता है. ज़ो व्यक्ति तुम्हे चाहता है और तुम पर विश्वास करता है उसके साथ कभी भी स्वार्थवश घात नहीं करना चाहिए.

अपने दुख का कारण हम

जो लोग जीवन में अपनों का महत्व नहीं कर सकते हैं, वे दूसरे का महत्व कभी नहीं कर पाएंगे. इसलिए पहले अपने लोगों का सम्मान और उन्हें प्रेम देना सीख गए तो खुशियां ही खुशियां जीवनभर बढ़ेंगी. जो व्यक्ति अपनों की बुराई किसी दूसरे के सामने करता है, उससे बड़ा अविश्वसनीय व्यक्ति हो नहीं सकता है. जो अपनों का नहीं होता है, वह दुनिया में भला किसका हो सकता है, यह विचारणीय तथ्य है.

विदर्भ स्वाभिमान

माता-पिता हमारे जीवन की ऐसी एटीएम होते हैं जिनका प्रेम, आत्मीयता और अपनापन कभी भी खत्म नहीं होता है. उनके जैसा त्यागी हो ही नहीं सकता है. ऐसे में वे जब तक जिंदा हैं, उनकी सेवा करने के लिए समर्पित रहें. महिलाएं ही जब मां को समझ लेंगी तो कभी किसी माता-पिता को तकलीफ नहीं होगी.

जरूरी नम्बर टोल फ्री

विद्युत सेवा	*1912*
पुलिस सेवा	*112*
अग्नि सेवा	*101*
एम्बुलेंस सेवा	*102*
यातायात पुलिस	*103*
आपदा प्रबंधन	*108*
चाइल्ड लाइन	*1098*
रेलवे पूछताछ	*139*
भ्रष्टाचार विरोधी	*1031*
रेल दुर्घटना	*1072*
सड़क दुर्घटना	*1073*
सीएम सहायता लाइन	*1076*
क्राइम सहायता	*1090*
महिला सहायता लाइन	*1091*
पृथ्वी भूकम्प	*1092*
बाल शोषण सहायता	*1098*
किसान काल सेन्टर	*1551*
नागरिक काल सेन्टर	*155300*
ब्लड बैंक	*9480044444*

महान संत,पृथ्वी के वर्धमान पूज्य विद्यासागरजी महाराज

पेज 4 से जारी- को लेकर वे भारत के प्राचीन ज्ञान से अनेक समाधान सुझाते थे. उनका यह भी विश्वास था कि शिक्षा वही है, जो स्किल डिवेलपमेंट और इनोवेशन पर अपना ध्यान केंद्रित करे.

आचार्य जी ने कैदियों की भलाई के लिए भी विभिन्न जेलों में काफी कार्य किया था. कितने ही कैदियों ने आचार्य जी के सहयोग से हथकरघा का प्रशिक्षण लिया. कैदियों में उनका इतना सम्मान था कि कई कैदी रिहाई के बाद अपने परिवार से भी पहले आचार्य विद्यासागर जी से मिलने जाते थे. संत शिरोमणि आचार्य जी को भारत देश की भाषाई विविधता पर बहुत गर्व था. इसलिए वह हमेशा युवाओं को स्थानीय भाषाएं सीखने के लिए प्रोत्साहित करते थे. उन्होंने स्वयं भी संस्कृत, प्राकृत और हिंदी में कई सारी रचनाएं की हैं. एक संत के रूप में वे शिखर तक पहुंचने के बाद भी जिस प्रकार जमीन से जुड़े रहे, ये उनकी महान रचना मूक माटी में स्पष्ट रूप से दिखाई पड़ती है. इतना ही नहीं, वे अपने कार्यों से वंचितों की आवाज भी बने.

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर जी महाराज जी के योगदान से स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी बड़े परिवर्तन हुए हैं. उन्होंने उन क्षेत्रों में विशेष प्रयास किया, जहां उन्हें ज्यादा कमी दिखाई पड़ी. स्वास्थ्य को लेकर उनका दृष्टिकोण बहुत व्यापक था. उन्होंने शारीरिक स्वास्थ्य को आध्यात्मिक चेतना के साथ जोड़ने पर बल दिया, ताकि लोग शारीरिक और मानसिक, दोनों स्तरों पर स्वस्थ रह सकें. मैं विशेष रूप से आने वाली पीढ़ियों से यह आग्रह करूंगा कि वे राष्ट्र निर्माण के प्रति संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रतिबद्धता के बारे में व्यापक अध्ययन करें. वे हमेशा लोगों से किसी भी पक्षपातपूर्ण विचार से ऊपर उठकर राष्ट्रीय हित पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया करते थे. वे मतदान के प्रबल समर्थकों में थे और मानते थे कि यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी की सबसे सशक्त अभिव्यक्ति है. उन्होंने हमेशा स्वस्थ और स्वच्छ राजनीति की पैरवी की. उनका कहना था- लोकनीति लोभसंग्रह नहीं, बल्कि लोकसंग्रह है., इसलिए नीतियों का निर्माण निजी स्वार्थ के लिए नहीं, बल्कि लोगों के कल्याण के लिए होना चाहिए.

आचार्य जी का गहरा विश्वास था कि एक सशक्त राष्ट्र का निर्माण उसके नागरिकों के कर्तव्य भाव के साथ ही अपने परिवार, अपने समाज और देश के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की नींव पर होता है. उन्होंने लोगों को सदैव ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और आत्मनिर्भरता जैसे गुणों को विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया. ये गुण एक न्यायपूर्ण, करुणामय और समृद्ध समाज के लिए आवश्यक हैं. आज जब हम विकसित भारत के निर्माण की दिशा में लगातार काम कर रहे हैं, कर्तव्यों की भावना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है.

प्रकृति के अनुकूल हो जीवनशैली

ऐसे कालखंड में जब दुनियाभर में पर्यावरण पर कई तरह के संकट मंडरा रहे हैं, तब संत शिरोमणि आचार्य जी का मार्गदर्शन हमारे बहुत काम आने वाला है. उन्होंने एक ऐसी जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया, जो प्रकृति को होने वाले नुकसान को कम करने में सहायक हो. यही तो मिशन लाइफ है जिसका आह्वान आज भारत ने वैश्विक मंच पर किया है. इसी तरह उन्होंने हमारी अर्थव्यवस्था में कृषि को सर्वोच्च महत्त्व दिया. उन्होंने कृषि में आधुनिक टेक्नॉलजी अपनाने पर भी बल दिया. मुझे विश्वास है कि वे नमो ड्रोन दीदी अभियान की सफलता से बहुत खुश होते.

संत शिरोमणि आचार्य श्री 108 विद्यासागरजी महाराज जी, देशवासियों के हृदय और मन-मस्तिष्क में सदैव जीवंत रहेंगे. आचार्य जी के संदेश उन्हें सदैव प्रेरित और आलोकित करते रहेंगे. उनकी अविस्मरणीय स्मृति का सम्मान करते हुए हम उनके मूल्यों को मूर्त रूप देने के लिए प्रतिबद्ध हैं.यह ना सिर्फ उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि होगी, बल्कि उनके बताए रास्ते पर चलकर राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र कल्याण का मार्ग भी प्रशस्त होगा.विदर्भ स्वाभिमान परिवार की महान संत,परमार्थी और मानवता के देवदूत आचार्यश्री के चरणों में विनम्र आदरांजलि.

ग्राम पंचायत कार्यालय,तळणी

ता. मोर्शी, जिल्हा अमरावती

निविदा सूचना क्र.1/2023-24

ख़ालील कामाच्या सीलबंद निविदा ब-1 प्रपत्रामध्ये ग्राम पंचायत तळणी, ता. मोर्शी , जि. अमरावती यांचेकडून महाराष्ट्र शासनाच्या वतीने योग्य त्या वर्गातील जि.प.नोंदणीकृत कंत्राटदारांकडून निविदा मागविण्यात येत आहे. कोऱ्या निविदा खालील दर्शविलेल्या तारखांना ग्रामपंचायत तळणी ता. मोर्शी यांचे कार्यालयात स्वीकारण्यात येतील. आणि खालील नमुने दिलेल्या दिवसी उघडण्यात येतील. सविस्तर निविदा सूचना कार्यालय ग्रा.पं.तळणी ता.मोर्शी, जि.अमरावती यांचे सूचना फलकावर पहावयास मिळेल.

अनु. क्रमांक	क़ामाचे नाव	तालुका	क़ामाची किंमत	निविदा कीमत	बयाना रक्कम	क़ामाची मुदत	लेखा शीर्षक	कोऱ्या निविदा देण्याची तारीख व वेळ	भरलेल्या निविदा स्वीकारण्याची तारीख व वेळ	भरलेल्या निविदा उघडण्याची तारीख व वेळ
1	पा.पू.मीटरघर दुरूस्ती नाशीपुर व पा.पु.विहिरीवर जाळी बसविणे	मोर्शी	252525/-	500/-	2525/-	3 महीने	15वा वित्त	दिनांक 20/02/2024 ते 27/02/2024 पर्यंत वेळ स.10 ते सायं.5 वाजेपर्यंत(सुटीचे दिवस वगळून)	दिनांक 20/02/2024 ते 27/02/2024 पर्यंत वेळ स.10 ते सायं.5 वाजेपर्यंत (सुटीचे दिवस वगळून)	दिनांक 28/02/2024 दुपारी 12.00 वाजता.
2	धुर्वे घरांपासून ते मेन रोड पर्यंत कांक्रिट नाली बांधकाम	मोर्शी	82844/-	300/-	828/-	3 महीने	15वा वित्त			
3	दयानंद कनेर घरांपासून ते जुनी अंगणवाड़ी पर्यंत कांक्रिट रस्ता	मोर्शी	95302/-	300/-	953/-	3 महीने	15वा वित्त			
4	रस्ता दुरूस्ती सुभाष काळमेघ यांचे घराजवळील	मोर्शी	93359/-	300/-	934/-	3 महीने	15वा वित्त			
5	एल.ई.डी. पथदिवे बसविणे हाशमपुर	मोर्शी	300000/-	500/-	3000/-	3 महीने	अ.ज.व.न.बौ.			
6	एल.ई.डी. पथदिवे बसविणे आसोना	मोर्शी	300000/-	500/-	3000/-	3 महीने	अ.ज.व.न.बौ.			

टिप :-

वरील कामाचे निविदेच्या अटी व शर्ती ग्राम पंचायत कार्यालयात पहावयास मिळेल.

सरपंच/सचिव

ग्राम पंचायत तळणी

पं.स.मोर्शी, जि.अमरावती.

शानदार रहा वेंकटेशधाम का ब्रह्मोत्सव,उमड़े हजारों भक्त

दक्षिण से आए आचार्यों ने पूरी करवाई पूजा-विधि, रथयात्रा में उमड़े भक्त

विदर्भ स्वाभिमान,21 फरवरी

अमरावती- शहर ही नहीं तो विदर्भ के लाखों भक्तों के आस्थास्थल वें कटेशधाम में सप्ताह भर तक आयोजित ब्रह्मोत्सव कार्यक्रम में लाखों भक्तों ने जहां भाग लिया, वहीं रथपूजन और रथयात्रा में हजारों की संख्या में भाविक भक्त उमड़ पड़े. भक्तों ने जय गोविंदा के नारे से पूरी अंबानगरी को जहां गूंजा दिया, वहीं दूसरी ओर धार्मिक विधियों में दक्षिण भारत से आए आचार्यों ने भाग लिया. विधि-विधान से हुई पूजा में गोविंद दायमा, रमण दायमा के साथ मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों के साथ हजारों भक्तों ने भाग लिया.

जय गोविंदा के उद्घोष से गुंजा व्यंकटेश धाम अमरावती शहर के व्यस्ततम जयस्तंभ चौक से चंद कदमों की दूरी पर स्थित वेंकटेशधाम में ब्रह्मोत्सव विधि- विधिन तथा भक्तिभाव से जारी है. पूजा -अर्चना में जहां बड़ी संख्या में भक्त शामिल हो रहे हैं वहीं वेंकटरमणा गोविंदा के जयघोष से पूरा क्षेत्र गूंज रहा है. भक्तों की संख्या में भी पिछले चार दिनों से इजाफा हुआ है. न केवल शहर बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी भक्त शामिल हो रहे है. वेंकटेशधाम में शनिवार को पूजा-आर्चना के साथ 17 से ब्रह्मोत्सव शुरू हो गया. रविवार को भी सुबह से लेकर 11.30 बजे तक विभिन्न पूजन -अर्चना में बड़ी संख्या में विव्दान शामिल हो रहे हैं. सोमवार को सुबह 5.30 बजे से 11.30 बजे तक सुप्रभातम मंगला आरती नित्य आराधना पेठपाठ का कार्यक्रम हुआ हवन

पालखी अभिषेक पुष्प अर्चना आरती के बाद गोष्टी प्रसाद का बड़ी संख्या में भक्तो ने लाभ लिया. जबकि दोपहर 4.30 बजे से रात 10 बजे तक हवन पूजा वेदपाठ आरती पालखी नित्य आराधना अर्चना गोष्टीप्रसाद के अलावा शयन आरती में भी बड़ी संख्या में भक्त शामिल हुए भक्तों में महिलाओं की संख्या अधिक है. छह दिवसीय कार्यक्रम में रोज सुप्रभातम मंगल आरती नित्य आराधना वेदपाठ हवन पालखी मूल विग्रह उत्सव मूर्ति 108 कलश अभिषेक श्री रामानुज स्वामी का अभिषेक श्री रामानुज स्वामी का अभिषेक हवन वेदपाठ तथा कल्याण उत्सव होगा . बुधवार को नियमित कार्यक्रमों के अलावा शाम 7 बजे रथपूजन रथयात्रा नगर भ्रमण मंदिर से खत्री कम्पाउड प्रिया टाकीज जयस्तभ चौक सरोज चौक बापट चौक प्रभात चाकीज मार्ग साबनपुरा पुलिस चौकी धनराज लेन सक्करसाथ जवाहर गेट चित्रा चौक जुना कॉटन मार्केट रोड से बालाजी मंदिर पहुंचेगी . पश्चात शयन आरती होगीहजारों की संख्या में भक्तों ने सप्ताह भर चले कार्यक्रम का लाभ लिया. भक्तों के उत्साह के साथ ही ट्रस्टियों का प्रयास भी सराहनीय रहा. रथयात्रा में हजारों शामिल हुए.

हजारों भक्तों ने लिया महाप्रसाद का लाभ

अमरावती- जिले के चांदूर रेलवे स्टेशन से 20 किमी. दूर घुईखेड में श्री. संत बेंडोजी महाराज संजीवनी समाधि महोत्सव भक्तिभाव, प्रवीण घुईखेड़कर के साथ ही सभी पदाधिकारियों के प्रयासों से सभी कार्यक्रम अपार उत्साह से सम्पन्न हुए. चालीस हजार से अधिक भक्तों ने महाप्रसाद का लाभ लिया. 11 फरवरी को शुरू हुआ और 17 फरवरी को भव्य शोभायात्रा, दहीहंडी कार्यक्रम हुआ. 18 एवं 19 फरवरी को विदर्भ स्तरीय खंजरी भजन प्रतियोगिता एवं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जबकि 21 फरवरी बुधवार को भव्य महाप्रसाद कार्यक्रम संपन्न हुआ. इसमें घुईखेड के ग्रामीण, तीर्थयात्री, पूरी यात्रा के दुकानदार, मांजरखेड, दानापुर, जावरा, बग्गी, टिटवा, एकलारा, खरबी, येरड, निमगव्हाण, नैवा धोत्रा, सातेफल सहित पूरे तहसील और आसपास के भक्त भी शामिल हुए. दोपहर 12 बजे से शुरू होकर रात 8 बजे तक चला. इसमें 30 हजार से अधिक श्रद्धालु भक्तों ने महाप्रसाद का लाभ उठाया.सफलतार्थ श्रीसंत बेंडोजी महाराज संस्थान के अध्यक्ष वसंतराव घुईखेडकर, प्रवीण घुईखेडकर, विजय घुईखेडकर, राजू चौधरी, ईश्वर मेहर, रमेश सहारे, राजू कपरकार, महेश महल्ले, कुणाल सिंगलवार, रूपेश भोयर, प्रवीण मेश्राम, नकुल तिवाडे, मारोतराव मेश्राम, संगम तायडे, दादाराव क्षिरसागर, अंकुश पांडे, स्वप्निल पांडे, पिंटु कोपरकार, दादाराव कुडे, महादेवराव सोनोने, राजू मेश्राम, अनिल चनेकार, अंबादास निम्सट, बालू गायकवाड, किशोर क्षीरसागर,यंशवत काकडे सहित ग्रामीण अथक प्रयास कर रहे. हैं.

खुशियों के हर प्रकार के रंग

उपाध्याय ड्रायफ्रूटस एन्ड फुड के संग

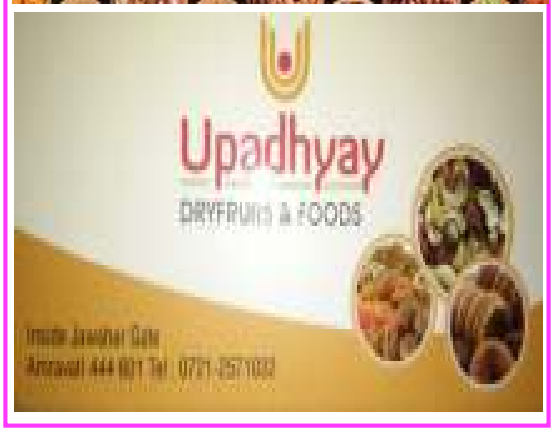

संवाददाता चाहिए

अमरावती ही नहीं तो समूचे संभाग में आचार-विचार-आदर्श संस्कारों को बढ़ावा देने वाले हिंदी साप्ताहिक के रूप में पाठकों का प्यार पाने वाले विदर्भ स्वाभिमान को जिले की अचलपुर, चिखलदरा, चांदुर बाजार,वरूड़ में संवाददाताओं की नियुक्ति करनी है. सामाजिक दायित्व को महत्व देने वाले इच्छुक युवक-युवतियां संपर्क कर सकते हैं. आवेदन के साथ पासपोर्ट फोटो जरूरी है. इच्छुक अपना आवेदन हमें इस पते पर भेज सकते हैं. प्राप्त आवेदनों की जांच करने के बाद फैसला लिया जाएगा. सामाजिक सरोकार रखने वाले ही संपर्क करें.

हमारा पता

विदर्भ स्वाभिमान अखबार

छाया कॉलोनी, अकोली रोड, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, अमरावती.

मो. 9423426199/8208407139

जिप शाला के बच्चे निकले कलाकार, अभिभावक मंत्रमुग्ध

अमरावती- अमरावती जिला परिषद प्राथमिक शाला उत्तमसरा में हाल ही में स्नेहसम्मेलन का आयोजन किया गया था .इस अवसर पर विविध स्पर्धाएं हुई तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम के माधयम से विधार्थियों ने समां बांधा . स्नेह सम्मेलन का उध्दाटन समारोह जिप माध्यमिक शाला की मुख्याध्यपक लोमेश खैरकर के हस्ते हुआ. कार्यक्रम का 30 हजार से अधिक भक्तों ने लाभ उठाया . चांदुर रेलवे स्टेशन से 20 किमी . दूर घुईखेड में श्री . संत बेंडोजी महाराज संजीवनी समाधि महोत्सव 11 फरवरी को शुरू हुआ और 17 फरवरी को भव्य शोभायात्रा दहीहांडी कार्यक्रम हुआ. 18 एव 19 फरवरी को विदर्भ स्तरीय खंजिरी भजन प्रतियोगिता एवं राज्य स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था . जबकि 21 फरवरी बुधवार को भव्य महाप्रसाद कार्यक्रम संपन्न हुआ . इसमें घुईखेड के ग्रामीण तीर्थयात्री पूरी यात्रा के दुकानदार मांजरखेड दानापुर जावरा बग्गी टिटवा एकलारा खरबी येरड निमगव्हाण नैवा धोत्रा सातेफल सहित पूरी तहसील और आसपास के क्षेत्र के भक्त भी शामिल हुए. बच्चों की कला ने मोहित किया.

अमरावती- शहर पुलिस आयुक्तालय में जिला नियोजन समिति की निधि से नए चार पहिया और दोपहिया वाहन शामिल किए गए हैं. इन्हें हरी झंडी देकर लोकार्पित करते पालकमंत्री चंद्रकांतदादा पाटील, सांसद डॉ. अनिल बोंडे, विधायक प्रवीण पोटे पाटील व अन्य.

पृथ्वी के वर्धमान को दी सकल जैन समाज ने विनम्र विनयांजली

आदरांजलि देने के लिए उमड़ा पूरा जैन समाज

विदर्भ स्वाभिमान, 21 फरवरी

अमरावती- दिगंबर जैन के महान आचार्य तथा पृथ्वी के वर्धमान और राष्ट्रधर्म, धर्म, सेवाभाव के पुरोधा पूज्य आचार्य विद्यासागरजी महाराज के ब्रमलीन होने से समूचे जैन समाज में शोक की लहर व्याप्त है. सकल जैन समाज ने उन्हें विनयांजली अर्पित की. तहसील में दिगंबर जैन समाज के आचार्य विध्यासागर महाराज ब्रह्मलीन होने पर गहरा शोक जताते हुए उन्हें विनयांजलि अर्पित की गई . सकल जैन समाज की ओर से श्री दिगंबर जैन मंदिर में सुबह में विनयांजालि सभा ली गई. सकल जैन समाज की ओर से श्री दिगंबर जैन मंदिर में सुबह में विनयांजलि सभा ली गई . इस सभा में जैन युवा महासभा के दिला अध्यक्ष सागर सव्वालाखे एवं प्रसन्न सव्वालाखे ने आचार्यश्री के जीवन पर प्रकाश डाला और उन्हें विनयांजलि अर्पित की . दिगंबर जैन समुदाय के सर्वो च्च संत महामुनिराज विध्यासागर महाराज का 18 तारीख को छत्तीसगढ़ के डों गरगढ़ में अंतिम संस्कार किया गया . इससे पूरे देश में जैन समाज में शोक व्याप्त है. इसी के एक भाग के रूप में इस विनयांजलि सभा का आयोजन किसा गया था. प्रेमचंद सव्वालाखे प्रदीप सव्वालाखे शरद गुलालकरी प्रवीण सव्वालखे तुषार गुलालकरी राजेश गुलालकरी मोहित गुलालकरी गुणवंत चांदुरकर शैलेश खापरी आशीष गुलालकरी राहुल गुलालकरी डॉ. प्रांजल सव्वालाखे सतीश सव्वालाख ऋषिकेश चांदुरकर यश पोफली सहित अनेक महिलाएँ उपस्थित थीं.

गुरूवार 2 नवंबर से 9 नवंबर 2023

मेष

इस राशि के लोगों के लिए नया साल आशा आकांक्षाओं को प्रफुल्लीत करने वाला साबित होगा. माता-पिता का आशिर्वाद असंभव को भी संभव करा सकता है.

वृषभ

नई योजनाओं, स्पर्धा परीक्षा तथा नए व्यवसाय में कामयाबी मिल सकती है. भावी योजनाओं के लिए पूरी ईमानदारी से काम करेंगे.

मिथुन

अपनों से प्रेम ही आपकी प्रगति का माध्यम बन सकता है. यह स्थिति कैरियर के लिए नुकसानदेह हो सकती है. छात्रों को स्पर्धा परीक्षा के लिए की गई मेहनत का फायदा मिलने वाला है.

कर्क

आय देखकर व्यय करने से ही कई समस्याओं का समाधान हो सकता है. आपसी सहमति नहीं बनने से कार्यस्थल पर विरोधाभासी स्थिति बन सकती है. धार्मिक यात्रा हो सकती है.

सिंह

सप्ताह खुशियों वाला रहेगा. नाहक के विवाद से बचने का प्रयास करना श्रेयस्कर होगा. लीक से हटकर चलना फिलहाल जोखिमपूर्ण है.

कन्या

विरोधी साजिश में फंसाने का प्रयास कर सकते हैं. ऐसे में सतर्कता बरतना जरूरी है. संयम से काम लेना उचित रहेगा. क्रोध से बचना आपके लिए लाभदायी होगा.

तुला

घर और कार्यालय के बीच तालमेल बिठाना जरूरी होगा. किसी से विवाद नहीं करना ही इस समय श्रेयस्कर है.

वृश्चिक

दूसरों को प्रभावित करने के लिए स्वभाव में बदलाव का प्रयास करेंगे. निश्चित कामों में सफलता मिलने की संभावना है. प्रयासों की निरंतरता जरूरी.

धनु

गुस्से से बना बनाया काम बिगड़ सकता है. विनयशीलता और प्रेम से काम लेने का प्रयास करें. वाहनादि धीरे से चलाएं.

मकर

घर के बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. समय रहते कदम उठाना उचित रहेगा. अपनों से विवाद टालें.

कुंभ

नए साल में प्रगति का योग है. अपनों का साथ मिलना श्रेयस्कर रहेगा. समय का महत्व समझें.

मीन

दौड़धूप कर रास्ते में आने वाली मुश्किलें दूर हो सकती हैं. व्यापारिक विस्तार की संभावना बढ़ रही है.

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

भजन संध्या में झूम उठे हजारों भक्त, महाप्रसाद में उमड़े भक्त

लकी दादलानी के भजनों ने सभी को रिझाया, शानदार रहा उत्सव

विदर्भ स्वाभिमान, 21 फरवरी

अमरावती- प्रतिवर्षानुसार ही इस बार भी क्षेत्रीय ब्रह्माण ट्रस्ट व्दारा बसंत पंचमी सरस्वती आराधना उत्सव का आयोजन किया गया है. कार्यक्रम के दूसरे दिन गुरूवार को सुख्यात भजन गायक लकी दादलानी की भजन संध्या का आयोजन किया गया था. बडनेरा रोड पर महेश भवन के सामने खुले मैदान पर हुए भजन संध्या कार्यक्रम का सैकड़ों भक्तों ने लाभ लिया . उन्हों ने भी एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर उपस्थितों का दिल जीत लिया पांच दिवसीय इस महोत्सव का शुभारंभ बुधवार को मूर्ति स्थापना के साथ हुआ बसंत पंचमी सरस्वती आराधना उत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम हो रहे हैं . इन्हें ब्राह्मण समाजबंधुओं का व्यापक प्रतिसाद मिल रहा है. 14 फरवरी से लेकर 17 फरवरी तक विभिन्न कार्यक्रम हो रहे हैं . सुख्यात गायक लक्की दादलानी का भजन कार्यक्रम 15 फरवरी को हुआ .भजनों का कार्यक्रम देर तक चला . उत्सव की सफलतार्थ ब्रजभूषण पाण्डेय मनोजकुमार पाण्डेय उपेंद्र पाण्डेय अनुज पाण्डेय अनुज पाण्डेय राधेश्याम पाण्डेय चंद्रकांत पाण्डेय मनीष मिश्रा बिपिन पाण्डेय अजय मिश्रा मंतोष पाण्डेय ललन पाण्डेय दयानंद पाण्डेय पुरूषोत्तम पाण्डेय वासुदेव पाण्डेय संजय मिश्रा धनंजय पाण्डेय मिथलेस पाण्डेय सिध्दीकांत पाण्डेय सोनु पाण्डेय जगदीय पाण्डेय मुकेश पाण्डेय आशीष पाण्डेय श्रीकांत पाण्डेय श्रीकांत पाण्डेयसहित सभी ब्राह्मणों ने प्रयास किया.

अमरावती शहर में यातायात नियमों की कैसी अवहेलना होती है, इसका अनुभव गांधी चौक में किया जा सकता है. यहां अस्तव्यस्त यातायात के कारण किसी दिन बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता है. इस तरह की स्थिति खतरनाक है.

गुणवत्ता विश्वसनीयता तत्पर सेवा

शालेय, महाविद्यालयीन पाठ्य पुस्तक, सामान्य ज्ञान स्पर्धा की विभिन्न किताबे, रजिस्टर, नोटबुक्स, कम्पास सहित सभी प्रकार की फाइलें,बुक्स, स्टेशनरी का एकमात्र विश्वसनीय स्थान. रियायती कीमत तथा तत्पर सेवा ही हमारी विशेषता है.

--संपर्क--

प्रथमेश बुक व जनरल स्टोअर्स, रविनगर चौक, अमरावती.

सन 1967 पासून

अमरावती शहरात वाजवी दरात सर्वात जास्त प्लाटस्चे सौदे करणारे एकमेव इस्टेट एजंट

संजय एजंसीज्

टाऊन हॉल समोर, नेहरू मैदान,अमरावती.

फोन 2564125,2674048

राजपुरोहित डिजिटल स्टुडियो

फोटोग्राफी की आधुनिकतम साज-सज्जा के साथ ही रियायती कीमत में बेहतरीन गुणवत्ता क़ी विडियो शूटिंग के लिए शहर ही नहीं तो समूचे विदर्भ में एकमात्र विश्वसनीय केन्द्र.फोटोग्राफी, विडियो शूटिंग के साथ अलबम के काम किए जाते हैं.

राजपुरोहित फोटो स्टुडियो

कृष्णार्पण कॉलोनी, संत लहानुजी महाराज मंदिर के पास,अमरावती.अमरावती.

मो.9028123251

श्री बालाजी

कॅटरर्स

आमचे येथे लग्न, वाढदिवस, वास्तु व शुभ कार्यप्रसंगी स्वादिष्ट भोजनाचे ऑर्डर स्विकारल्या जाईल.

भट्टवाडी, गोपाल नगर, अमरावती.

द्वारका महाराज व्यास मो.८२०८०३६१६७

अर्जुन व्यास - मो. ९९७५२७७१९९

विदर्भ स्वाभिमान

विज्ञापन सहयोगी चाहिए

विदर्भ में तेजी से लोकप्रिय, आचार-विचार और संस्कारों को बढ़ावा देने वाले विदर्भ स्वाभिमान को विज्ञापन सहयोगी की आवश्यकता है. बाजार पर पकड़ रखने वाले और आर्थिक मजबूती के साथ ही संभाषण कला में निपुण युवक-युवतियां संपर्क करें. काम के आधार पर मानधन और उनके द्वारा किए गए व्यवसाय पर कमीशन भी दिया जाएगा. मेहनती तथा काम के प्रति जिद्दी युवक-युवतियां ही संपर्क करें.

संपर्क का समय सुबह 10-12 बजे

मोबाइल 9423426199

मत बुरा कर्म कर बंदे, वर्ना पछताएगा

प्रभु ने हमें जो आदर्श जीवन दिया है, यह केवल हमारे लिए ही नही है. बल्कि इस जीवन का हम किस तरह स्वयं के कल्याण के साथ ही मानव कल्याण के लिए यथासंभव उपयोग करते हैं. ज़ो जीवन में केवल अपने लिए ही जीते हैं, उनमें और पशुओं में कोई अंतर नही होता है. लेकिन जो गरीबों, जरूरतमंदों को अपनी क्षमता के मुताबिक मदद देने का काम करते हैं, प्रभु सदैव उनकी झोली खुशियों से भर देता है. इसलिए भाव के साथ देव का विश्वास रखते हुए सदैव अच्छा करने का प्रयास करें. किसी के साथ छल करने के बाद अपने साथ वैसा ही छल होगा, यह निश्चित मानकर चलें. बुरा करनेवाले को उसका दंड भुगतना ही पड़ता है.

विदर्भ स्वाभिमान

RNI NO. MAHHIN / 2010 /43881

संपादक : सुभाषचंद्र दुबे

प्रबंधक : सौ. विणा एस. दुबे

❖ अमरावती, गुरूवार 30 नवंबर से 6 दिसंबर 2023 ❖वर्ष :14 ❖ अंक- 23 ❖ पृष्ठ 8 ❖ मूल्य - 4/- पोस्टल रजि.नं ATI/RNP/268/2022-2024 ❖डाक : शुक्रवार-शनिवार

समूचे भारत में माता-पिता की सेवा के महात्म्य और उनके आशिर्वाद की महत्ता को बढ़ावा देने वाले, भारतीय संस्कृति, धर्म और सामाजिक अच्छाईयों को समर्पित तथा इसे ही बढ़ावा देने के संकल्प के साथ 14 वर्षों से पत्रकारिता का गौरव बढ़ाने वाला एकमात्र समाचार पत्र. मानवता की सेवा, पशुओं की रक्षा के साथ ही बच्चों पर आदर्श संस्कार के लिए प्रयासरत है. आप भी माता-पिता की सेवा से जुड़े अपने विचार हमें भेज सकते हैं. मानवता की सेवा वाले प्रसंगों को भी प्रकाशित करेंगे.

रिश्तों को जो लोग स्वार्थ की तराजू में तौलते हैं, उनकी सच्चाई कभी न कभी सामने आती है. सही रिश्ता और दिल से माने गए रिश्ते में कभी अपशब्द नहीं होता है. यह दुनिया स्वार्थियों से भरी है, इसमें ऐसे लोग बहुत कम हैं, जो रिश्तों को दिल से निभाते हैं. अपने किए को महान समझने वाले और दूसरे द्वारा किए गए एहसान को भुलाने वाले जीवन में कभी सच्चे रिश्ते के मायने ही नहीं समझ सकते हैं.उनके लिए हर रिश्ता कमाई का साधन होता है.

सुभाषचंद्र जे. दुबे, संपादक-विदर्भ स्वाभिमान, 9423426199/8855019189

विज्ञापन, आजीवन सदस्य बनने के लिए संपर्क करें

हमारा पता-विदर्भ स्वाभिमान श्रीहरी भवन, छाया कॉलोनी, गजानन महाराज मंदिर के पीछे, जाधव आटा चक्की तथा विदर्भ स्वाभिमान गल्ली, अमरावती.

मोबाइल 9423426199/8855019189/8208407139

Email-vidarbh.swabhiman@gmail.com